Rashtriya Sahara, Delhi
Friday, 8th July 2022; Page: 3
Width: 47.24 cms; Height: 15.80 cms; a3r; ID: 12.2022-07-08.43

सप्लाई की कमी : दिल्ली वालों को नहीं मिलेगी अपनी पसंद की शराब

■ आईएएनएस

नई दिल्ली।

दिल्ली के निवासियों को अपनी पसंद की शराब की कमी का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में कई दुकानों में विभिन्न श्रेणियों की शराब में कमी देखी जा रही है। यहां तक कि कुछ प्रीमियम श्रेणी की व्हिस्की भी विभिन्न आउटलेट्स पर एक लीटर से कम मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। कमी के कारण के बारे में पूछे जाने पर, आउटलेट वाले एक ही सामान्य उत्तर देते हैं, आपूर्ति श्रृंखला की समस्या।

कई अन्य कारणों में, कमी का एक महत्वपूर्ण कारक नई शराब नीति है जिसके कारण वर्तमान में दिल्ली में चल रही शराब की दुकानों की संख्या में भारी गिरावट आई है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज (सीआईएबीसी) के महानिदेशक विनोद गिरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में फिलहाल केवल 464 दुकानें ही चल रही हैं, जबकि दिल्ली जैसे शहर में निवासियों की सेवा के लिए करीब 850 आउटलेट होने चाहिए।

नीति में कुछ खामियों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के कुल 32 जोनों में से लगभग 11 से 12 लाइसेंसधारियों ने अपना खुदरा लाइसेंस सरेंडर कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप

कमी का एक महत्वपूर्ण कारक नई शराब नीति है

राजधानी में केवल 464 दुकानें ही हैं, जबकि करीब 850 आउटलेट होने चाहिए

ये क्षेत्र अब बिना शराब की दुकानों के हैं। शराब की कमी के बारे में बात करते हुए, गिरी ने कहा कि दुकानों पर जगह की कमी एक और कारण है क्योंकि शराब का कारोबार केवल एक या दो दिन के स्टॉक पर चलता है। जगह की कमी के कारण, आउटलेट शराब का स्टॉक नहीं कर सकते हैं जो अंततः कमी की ओर ले जाता है। गिरी ने कहा कि राजधानी शहर की अपनी शराब की भट्ठी नहीं है, जबकि पड़ोसी राज्यों में कुछ ब्रुअरीज ने भी दिल्ली को आपूर्ति बंद कर दी है।

उन्होंने कहा, दिल्ली को हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों से इसकी आपूर्ति मिलती है लेकिन राजस्थान और उत्तर प्रदेश ने पहले अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के मद्देनजर आपूर्ति रोक दी है। गिरि ने आईएएनएस से कहा, बीयर श्रेणियों में कमी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि कई ब्रांड फरवरी और मार्च में पहले से अतिरिक्त स्टॉक का उत्पादन नहीं कर सके।